UNIVERSITY NEWS 28 AUGUST 2026

AMRIT VICHAR

रिमोट एक्सेस प्लेटफॉर्म 'मायलॉफ्ट' बना शोधार्थियों का बड़ा संबल

कुल डाउनलोड्स में 70 फीसदी हिस्सेदारी के साथ शोधार्थी अव्वल

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: लखनऊ विश्वविद्यालय के ऐतिहासिक पुस्तकालय 'टैगोर लाइब्रेरी' द्वारा शुरू की गई रिमोट एक्सेस सुविधा 'मायलॉफ्ट' (माय लाइब्रेरी ऑन फिंगरटिप्स) अकादमिक व शोध जगत में एक सशक्त और क्रांतिकारी माध्यम बनकर उभरी है। दिसंबर 2024 में प्रारंभ की गई यह डिजिटल सेवा विश्वविद्यालय की सीमाओं से परे छात्र-छात्राओं और शोधार्थियों को चौबीसों घंटे कहीं से भी उच्च स्तरीय अध्ययन व शोध सामग्री तक निर्बाध पहुंच उपलब्ध करा रही है। इसके जरिए विश्वविद्यालय द्वारा सब्सक्राइब किए गए अंतरराष्ट्रीय ई-जर्नल्स, ई-बुक्स और डेटाबेस का उपयोग घर बैठे किया जा रहा है।

पिछले दो वर्षों के विश्लेषणात्मक आंकड़ों के मुताबिक, डिजिटल अध्ययन और शोध में अभूतपूर्व उछाल आया है। ई-संसाधनों के कुल डाउनलोड्स में लगभग 70 प्रतिशत हिस्सेदारी अकेले शोधार्थियों की रही, जिन्होंने रिकॉर्ड 36,628 डाउनलोड्स किए। इसके अलावा स्नातक (यूजी) विद्यार्थियों ने 9,565, संकाय सदस्यों व शिक्षकों ने 8,839 और स्नातकोत्तर (पीजी) विद्यार्थियों ने 2,739 डाउनलोड्स दर्ज किए।

• साइंसडायरेक्ट और एससीसी ऑनलाइन सबसे लोकप्रिय डेटाबेस

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी 2020) और डिजिटल इंडिया मिशन के अनुरूप लखनऊ विश्वविद्यालय शोधार्थियों को विश्वस्तरीय संसाधन उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। टैगोर लाइब्रेरी का 'मायलॉफ्ट' प्लेटफॉर्म अनुसंधान को मजबूत करने की दिशा मे युगांतकारी कदम है, जिससे छात्रों को वैश्विक ज्ञान सामग्री उपलब्ध हो रही है।

-प्रो. जेपी सैनी, कुलपति लखनऊ विश्वविद्यालय

साइंसडायरेक्ट व एससीसी ऑनलाइन सबसे पसंदीदा डेटाबेस : अकादमिक डेटाबेस के उपयोग (प्रति सेशन 15 मिनट अवधि) में ''साइंसडायरेक्ट'' 8,674 यूजर सेशन के साथ शीर्ष स्थान पर रहा। वहीं विधि शोध के लिए ''एससीसी ऑनलाइन'' 7,336 सेशन के साथ दूसरे स्थान पर रहा। इसके अतिरिक्त स्प्रिंगर (4,904 सेशन), विली (4,062 सेशन) और टेलर एंड फ्रांसिस (3,552 सेशन) भी अध्ययन के प्रमुख केंद्र रहे।

विधि के छात्र सबसे आगे, 63 फीसदी ने मोबाइल से की पढ़ाई : पाठ्यक्रमवार आंकड़ों में विधि संकाय (एलएलबी) के छात्रों ने सर्वाधिक 6,442 लॉगिन सेशन दर्ज कर पहला स्थान प्राप्त किया। इसके बाद बीएससी (4,607 सेशन), एमए (3,810 सेशन), एमबीए (3,510 सेशन) और एमएससी के छात्रों ने 3,138 सेशन का उपयोग किया। तकनीकी माध्यमों के विश्लेषण से सामने आया कि 63 प्रतिशत (2,505 यूजर्स) ने स्मार्टफोन ऐप के जरिए पढ़ाई को प्राथमिकता दी, जबकि 37 प्रतिशत (1,471 यूजर्स) ने वेब पोर्टल और कंप्यूटर ब्राउजर का उपयोग किया।

पंजीकरण प्रक्रिया और जागरूकता अभियान विश्वविद्यालय के छात्र व शोधार्थी टैगोर लाइब्रेरी के वेबपेज पर उपलब्ध गूगल फॉर्म के माध्यम से नाम, ईमेल, विभाग और वर्तमान सत्र की शुल्क रसीद अपलोड कर पंजीकरण कर सकते हैं। इसके लिए रीडिंग हॉल व परिसर में त्वरित क्यूआर कोड भी चस्पा किए गए हैं। लाइब्रेरी प्रशासन द्वारा हर महीने की 25 से 30 तारीख के बीच ऑनलाइन ओरिएंटेशन वेबिनार का आयोजन कर छात्रों को डेटाबेस खोजने और संदर्भ सामग्री डाउनलोड करने का हैंड्स-ऑन प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है।

AAJ

विवि की टैगोर लाइब्रेरी की डिजिटल पहल को मिली नई गति, रिमोट एक्सेस प्लेटफार्म बना शोधार्थियों का प्रमुख संबल

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के ऐतिहासिक पुस्तकालय 'टैगोर लाइब्रेरी' द्वारा शोध और अध्ययन को आधुनिक, सुलभ और तकनीकी रूप से समृद्ध बनाने की दिशा में शुरू की गई रिमोट एक्सेस सुविधा 'डलस्थ्ब्ज् (डल स्पइतंतल व्द थ्पदहमतजपचे)' अकादमिक जगत में एक क्रांतिकारी माध्यम बनकर उभरी है। दिसंबर 2024 को प्रारंभ की गई यह डिजिटल सेवा विश्वविद्यालय की भौतिक सीमाओं से परे शिक्षण, अध्ययन और उच्च स्तरीय अनुसंधान को 24्7 कभी भी और कहीं से भी जारी रखने का सशक्त आधार प्रदान कर रही है टैगोर लाइब्रेरी द्वारा विश्वविद्यालय के वार्षिक बजट से सब्सक्राइब किए गए राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त ई-जर्नल्स, ई-बुक्स, शोध पत्रिकाओं और लीगल डेटाबेस तक छात्र-छात्राओं एवं संकाय सदस्यों को घर बैठे सीधी पहुंच दी जा रही है। विश्वविद्यालय के वे सभी विद्यार्थी एवं शोधार्थी जिन्हें रिमोट एक्सेस की आवश्यकता है, वे टैगोर लाइब्रेरी के आधिकारिक वेबपेज के माध्यम से पंजीकरण कर सकते हैं, जिसमें नाम, ई-मेल और वैध शुल्क रसीद अपलोड करनी होती है। विद्यार्थियों की सुविधा के लिए लाइब्रेरी परिसर में फत् ब्वकमे भी चस्पा किए गए हैं ई-संसाधन डाउनलोड के आंकड़े -विश्लेषण के अनुसार शोधार्थियों ने कुल डाउनलोड का लगभग 70 प्रतिशत उपयोग किया है, जो 36,628 डाउनलोड्स के बराबर है। स्नातक विद्यार्थियों ने 9,565, संकाय सदस्यों ने 8,839 और स्नातकोत्तर विद्यार्थियों ने 2,739 डाउनलोड्स दर्ज किए हैं।

NBT

LU : 2,113 छात्राओं को मिलेगी स्कूटी

■ **NBT न्यूज, लखनऊ :** एलयू और उससे संबद्ध पांच जिलों (हरदोई, लखीमपुर, रायबरेली, सीतापुर एवं लखनऊ) के महाविद्यालयों से पासआउट 2,113 छात्राओं को राज्य सरकार 'रानी लक्ष्मीबाई योजना' के तहत निःशुल्क स्कूटी देगी। शासन के निर्देश पर रजिस्ट्रार भावना मिश्रा ने मेरिट में टॉप 5% में आने वाली 2,113 छात्राओं के साथ-साथ, फर्स्ट डिवीजन उत्तीर्ण करने वाली सभी 42,238 छात्राओं के नाम व अन्य आवश्यक विवरण शासन को भेज दिए हैं। अब शासन स्तर पर उच्चाधिकारी यह तय करेंगे कि स्कूटी केवल टॉप 5% छात्राओं को दी जाएगी या फर्स्ट डिवीजन आने वाली सभी छात्राओं को। रजिस्ट्रार ने बताया कि शासनादेश के अनुसार, केवल उन्हीं छात्राओं को इस सुविधा का लाभ मिलेगा जिनके परिवार की वार्षिक आय 12 लाख तक होगी। योजना हेतु पात्र पाई गई सभी छात्राओं की सत्यापित सूची उच्चाधिकारियों को भेज दी गई है। निदेशक, उच्च शिक्षा एनआईसी के माध्यम से एक पोर्टल विकसित करवा रहे हैं।

AI Image

DAINIK JAGRAN

लवि : यूजी और पीजी पाठ्यक्रमों में सीधे प्रवेश का मौका 31 तक

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए स्नातक (यूजी) और परास्नातक (पीजी) पाठ्यक्रमों में खाली सीटों पर सीधे प्रवेश की प्रक्रिया शुरू कर दी है। प्रवेश समन्वयक प्रो. अनित्य गौरव की ओर से जारी सूचना के अनुसार, यूजी में बी.ए/बी.एससी योग, शास्त्री एवं बी.फार्म (लेटरल एंट्री) पाठ्यक्रमों और पीजी में एम.ए संस्कृत, उर्दू , ज्योतिर्विज्ञान सहित 43 कोर्सों की सीटें खाली हैं।

सीधे प्रवेश के लिए अभ्यर्थियों को आवेदन पत्र के साथ कुछ आवश्यक दस्तावेज जमा करने होंगे। इनमें सत्र 2026-27 के अंतर्गत लवि के किसी भी स्नातक और परास्नातक पाठ्यक्रम में किए गए आवेदन की प्रतिलिपि, सीधे प्रवेश के लिए स्वहस्ताक्षरित प्रार्थना पत्र और आधार कार्ड की स्वहस्ताक्षरित प्रतिलिपि शामिल है। सीधे प्रवेश के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि 31 अगस्त है। अभ्यर्थियों को निर्धारित तिथि तक संबंधित प्रवेश कार्यालय में आवेदन और आवश्यक दस्तावेज जमा करने होंगे। वि.

AMAR UJALA

36,628 डाउनलोड के साथ शोधार्थी सबसे आगे

लखनऊ। लविवि की टैगोर लाइब्रेरी की रिमोट एक्सेस सुविधा माईलॉफ्ट (माई लाइब्रेरी ऑन फिंगरप्रिंट्स) विद्यार्थियों और शोधार्थियों के लिए डिजिटल अध्ययन का अहम माध्यम बन चुकी है। दिसंबर 2024 में शुरू हुई इस सुविधा के जरिये विश्वविद्यालय के सदस्य घर या कहीं से भी 24 घंटे ई-जर्नल, ई-बुक, शोध पत्रिकाओं और लीगल डाटाबेस का इस्तेमाल कर रहे हैं। टैगोर लाइब्रेरी की असिस्टेंट लाइब्रेरियन प्रिया तिवारी ने बृहस्पतिवार को बताया कि दो वर्षों के आंकड़ों के मुताबिक शोधार्थियों ने 36,628 डाउनलोड किए, जो कुल डाउनलोड का करीब 70 फीसदी है।स्नातक विद्यार्थियों ने 9,565, संकाय सदस्यों ने 8,839 और पीजी विद्यार्थियों ने 2,739 डाउनलोड किए। ।(माई सिटी रिपोर्टर)

DAINIK JAGRAN

कालेजों में एनएसएस की संख्या तय

लखनऊ : लवि ने संबद्ध कालेजों में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के तहत विशेष शिविर कार्यक्रमों के आयोजन के लिए छात्र संख्या का आवंटन कर दिया है। इसकी विस्तृत सूचना www.lkouniv.ac.in/ पर अपलोड की गई है। वि.

डिजिटल पहल को मिली गति

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय की टैगोर लाइब्रेरी द्वारा दिसंबर 2024 में शुरू किया गया 'माय एलओएफटी ' रिमोट एक्सेस प्लेटफार्म विद्यार्थियों और शोधार्थियों को 24x7 ई-जर्नल, ई-बुक और शोध संसाधनों तक पहुंच उपलब्ध करा रहा है। दो साल में शोधार्थियों ने कुल 36,628 डाउनलोड के साथ करीब 70% डिजिटल संसाधनों का उपयोग किया। (वि)

HINDUSTAN

डिजिटल संसाधनों से घर बैठे जुड़ेंगे छात्र

लखनऊ। एलयू की टैगोर लाइब्रेरी की माईलॉफ्ट (माई लाइब्रेरी ऑन फिंगरटिप्स) के जरिए विद्यार्थी और शोधार्थी घर बैठे 24 घंटे ई-जर्नल, ई-बुक्स, शोध पत्रिकाओं और राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय डेटाबेस का लाभ उठा पा रहे हैं। कुलपति प्रो.जे.पी. सैनी ने कहा कि माईलॉफ्ट विद्यार्थियों और शोधार्थियों को परिसर की भौतिक सीमाओं से परे विश्वस्तरीय संसाधनों से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है जिससे नवाचारी शोध को बढ़ावा मिलेगा।

HINDUSTAN

चिन्मय अमृत यात्रा का लखनऊ आगमन स्वामी मित्रानंद का विश्वविद्यालय में संवाद

लखनऊ,प्रमुख संवाददाता। स्वामी चिन्मयानंद जी के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने वाली 'चिन्मय अमृत यात्रा' बुधवार को लखनऊ पहुंची। विपुल खंड स्थित आईएमआरटी कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में 'टेम्पल ऑन व्हील्स' में सुरक्षित गुरुदेव की दुर्लभ स्मृतियों के दर्शन हुए और गीता के ज्ञान पर प्रकाश डाला गया। इसी क्रम में चिन्मय मिशन के आध्यात्मिक नेता डॉ. स्वामी मित्रानंद जी लखनऊ विश्वविद्यालय के अंग्रेजी एवं आधुनिक यूरोपीय भाषाओं विभाग पहुंचे। यह अवसर विभाग के लिए विशेष महत्व रखता है क्योंकि चिन्मय मिशन के संस्थापक स्वामी चिन्मयानंद जी लखनऊ विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र रहे हैं और उन्होंने इसी विभाग में अध्ययन किया था। विभागाध्यक्ष प्रो. नाज़नीन ख़ान ने स्वागत किया।